3/12/18 (M)

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7985** **IC**

Unique Paper Code : 12057501

Name of the Course : **B.A.(Hons.) Hindi/ CBCS/ DSE**

Name of the Paper : हिंदी की मौखिक और लोक साहित्य परंपरा

Semester : V

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(अ) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(ब) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

12×4=48

(क) मौखिक साहित्य का सामान्य परिचय देते हुए उसके महत्त्व पर विचार कीजिए।

अथवा

हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियों का परिचय देते हुए उसके साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए।

P.T.O.

munotes.in

(ख) लोकगीत की कतिपय विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

श्रमगीतों का महत्त्व बताते हुए उसका संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

(ग) लोककथा की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

लोकगाथा के प्रमुख तत्त्वों का विवेचन कीजिए।

(घ) सांग का परिचय देते हुए लोकनाट्य परंपरा का विवेचन कीजिए।

अथवा

बिदेसिया का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

2. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 7+7=14

(क) घर के दुवारी ले दाई मोरे रोवथे
आज नोनी होये बिराने ओ
घर के दुवारी ले ददा मोरे रोवथे
रांध के देवइया बेटी जाथे।

अथवा

एगो घड़ियाल रहलइ। एक दिन साँझ के नदी से उप्पर सुखलाए बइठल रहलइ। घड़ियाल क सोभाव, ओकरा आँख से लोर सदा गिरइत रहलक। एगो कूकुर ओकरा के रोवत देखलख। मन में दया आइल। ऊ गेल पूछे- 'तोहरा कवन दुख परल हउ, जे तू रोअइ ल' नजिका पाइके घड़ियलवा टप दे ओकरा के लील गेल।

(ख) खेतन में लागी कटनिया हो राम।
माथे क झूमर झलाझल झलके,
खनके कलइया, कँगनवा हो राम।
मिलि जुलि के सखिया लाही बँधवाओ,
भरै चलो घर की बखरिया हो राम।।

अथवा

दूसरा दन उनीज तरे माँ ने खीर ने राबड़ी बणाई। सूरज नारायण थाली देखता जई रया था। माँ परासी री थी, उनने देख्या के उनकी थाली में खीर ने बऊ की थाली में राबड़ी है। अब तो उनके अचंभो होण लगे। माँ कई जादू टोनो जाने है, या कई बात है ? खूब विचार में पड़ी ग्या वी तो। नी समज में अई तो उनके दोणी मेंज झाँकी के दख्या। "अरे त्हारी या बात है ?"

munotes.in

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(i) रामलीला 7

अथवा

नौटंकी

(ii) लोकोक्तियाँ 6

अथवा

पहेलियाँ

munotes.in